RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

जैन धर्म



LIVE 17-05-2024 4PM

- 22वें तीर्थकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)

22nd Tirthankara: Arishtinebhi (Neminath) - (conch)

- 23वें तीर्थकर : पार्श्वनाथ (निर्ग्रंथ) कहा गया। (साँप)

सांसारिक बंधनों मुक्त

23rd Tirthankar: Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)

- शिक्षाएँ दी (4) **Teaches 4 :**

(1) सत्य **Truth**

(2) अहिंसा **Non-Violence** → हिंसा नहीं करना।

(3) अस्तेय (चोरी न करना)

पिता वंश माता पत्नी निर्वाण

ऋषभदेव
२ शिक्षाएं
(१) अहिंसा
(२) अपरिग्रह

Asteya (Not To Steal)

(4) अपरिग्रह (धन न संचय करना)

Aparigraha (Non-Accumulation Of Wealth)

- 24 वें तीर्थकर : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)

24th Tirthankara: Mahaveer Swami (The Real Founder)

- 5वीं शिक्षा Education : ब्रह्मचर्य Celibacy
- प्रतीक : शेर / सिंह Sign : Lion / Lion
- जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)

Birth : 540 BC = Kundagram (Vaishali)

(1) सत्य
(2) अहिंसा
(3) अस्तेय
(5) अपरिग्रह

बौद्ध धर्म ⇒ मूर्ति → बुद्ध की पहली प्रतिमा जो पूजी गयी
↳ गांधार शैली

↳ बुद्ध की पहली प्रतिमा
मथुरा शैली

- मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)
  Died: 468 BC = Pavapuri (Day of Deepawali)
- पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश / इच्छवाकु वंश
  Father : Siddhartha :Gyaerak line / Ichchhavaku lineage
- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
  Mother: Trishala: Lichchavi (Sister of Chetak)
- बचपन का नाम : वर्धमान **Childhood Name: Vardhman**
- पत्नी : यशोदा **Wife: Yashoda**
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी

BC/ई०पू०

महावीर स्वामी
↳ मृत्यु → ५४८ BC
दीपावली के दिन

मृत्यु, जन्म ज्ञान → वैशाख पूर्णिमा

Daughter: Anoja Priyadarshini

- दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा
  Son-In-Law: Jamali: (He Received The First Sermon) = Semi-Magadhi Language

- भाषा : बाद में "प्राकृत" Language: later "Prakrit"

पहला उपदेश ⇓ राजगृह

भाषा → अर्हदमागधी, पहाड़ी → विपुलांचल पहाड़ी, वैराज्यर नदी

महावीर स्वामी

माता → त्रिशला पत्नी। - यशोदा

पिता → सिद्धार्थ

बचपन (नाम) → वर्धमान

दामाद → जमालि

पुत्री → प्रियदर्शनी

प्रथम जैन भिक्षुणी → चंदना दधिवाहन की पुत्री "चम्पा"

- 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया।
  → बड़े भाई
  At The Age Of 30, After Taking Permission From His Brother Nandivardhan, He Renounced His Home.
- पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।
  Stay with your friend Makkhali Goshal for the first 6 years.
  → आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक
  the founder of the Ajivika sect

- 12 वर्ष तप किया **Did Penance For 12 Years**
  → जाड़िन
  → बल - "भाग्यवाद"

  पहला वर्ष **First Year**
  → अशोक वृक्ष, सुवर्ण बालुका नदी

  अंतिम 11 वर्ष 6.5 माह **Last 11 Years 6.5 Months**
  → साल वृक्ष, ऋजुपालिका नदी
  → ग्राम्भिक गाँव

  लोगों को भाग्यवाद जोड़ा।

अशोक वृक्ष Ashoka Tree

साल वृक्ष Sal Tree

स्वर्ण बालूका नदी
Golden Sand River

ऋजुपालिका नदी
Rijupalika River

गाँव → ज्राम्भिक ग्राम

ज्ञान की प्राप्ति हुई। Knowledge Gained.

- (झिझिक / ज्राम्भिक ग्राम) में।
  (Hesitating/Jrambhik Village).
- ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए।
  After Attaining Knowledge, Mahavir Swami Was Called Kevalin, Jin, Nirgrantha.

केवलिन, जिन, निर्ग्रंथ



दामाद → जमालि

- पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
  First Sermon: Rajagriha (Semi-Magadhi language)
- केवलिन : आत्मा व शरीर के बीच Kevalin: Between Self And Body
  जिन : खुद की इच्छाओं पर विजय Jin: Victory Over One's Desires

केवलिन ⇒ आत्मा - शरीर
अंतर ⇒ ज्ञान ✓

जिन →
↳ खुद की इच्छाओं विजय

निर्ग्रन्थ ⇒ सांसारिक बंधनों से मुक्त

अर्हत - पूज्य

⇒ ज्ञान प्राप्ति के पश्चात् महावीर स्वामी को कहा गया ।
↳ "कैवल्य"
↳ वैशाख दशमी

निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त Nirgranth: free from cognitive bondage

- ज्ञान प्राप्ति = वैशाख दशमी Gaining Knowledge = Vaishakh Dashami
- जैन धर्म के त्रिरत्न : The Three Jewels of Jainism
  1. सम्यक दर्शन Right Darshan
  2. सम्यक ज्ञान Right knowledge
  3. सम्यक आचरण Fair Conduct

बौद्ध धर्म त्रिरत्न → बौद्ध धम्म, संघ

- जैन समितियां Jain committees/ conference
  1. 300 BC – पाटलिपुत्र – स्थूलभद्र
     300 Bc - Pataliputra - Sthulbhatra
  2. 512 AD – वल्लभी (Guj) – देवर्धि क्षमाश्रवण (अध्यक्ष)

imp.

512 AD- Vallabhi (Guj) - Devardhi Apology

- जैन धर्म में कषाय : **Kashaya in Jainism:**
  - क्रोध **Anger** → दुःख
  - माया **Spell** → धन
  - मान **Value**
- जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है– **Jain Literature Is Called "Agam"-**
  - आगम की संख्या ⇒ 12
  - उपांग **appendage** की संख्या ⇒ 12

छेद सूत्र ⇒ 6

- छेदसूत्र hole thread
  - आगम की संख्या – 12
  - उपांग – 12
  - छंद सूत्र – 6

जैन धर्म की शाखाएं–
Branches of Jainism

- श्वेताम्बर
  - Svetambara
  - (स्थूलभद्र)
  - श्वेत वस्त्र धारण
- दिगम्बर
  - Digambara
  - (भद्रबाहू)
  - नग्न

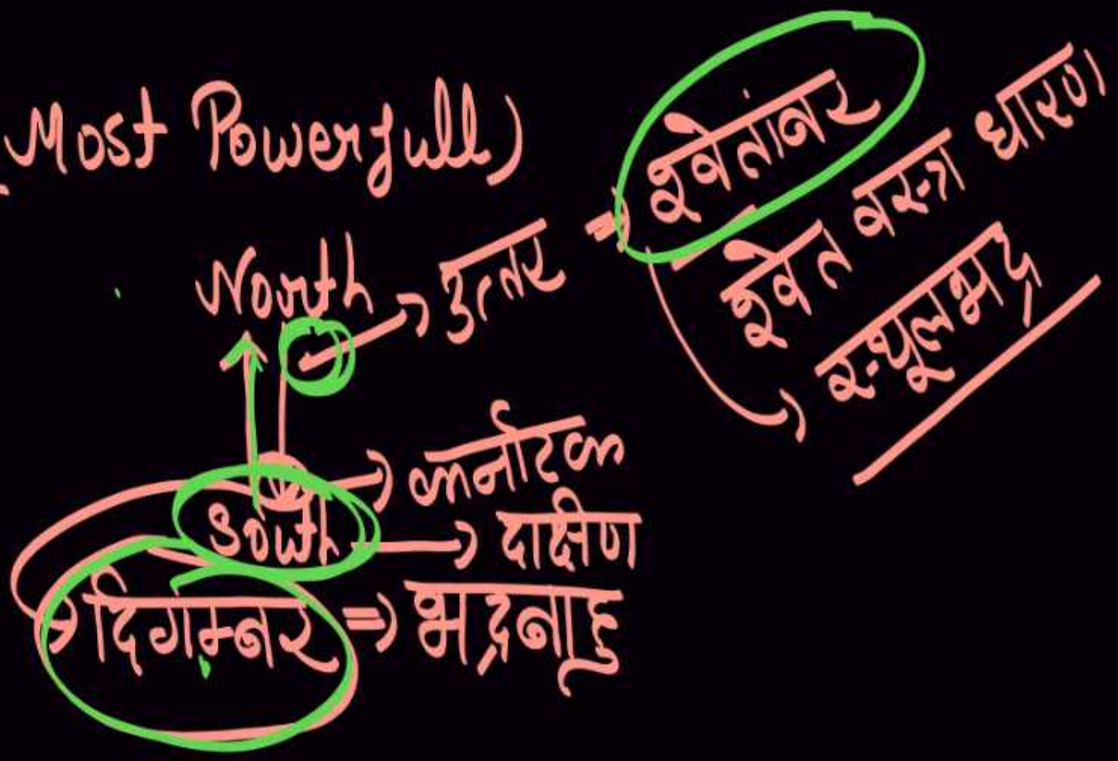
Jacobs

- दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया
- Promoted Svetambara branch in South India
  - सुहस्तिन Suhastin

मगध → सबसे शक्तिशाली (Most Powerfull)

↳ महाजनपद

↳ अकाल पड़ा (लगभग 12 वर्षों)



(Sthulabhadra)	(Bhadrabahu)
सफेद वस्त्र	नग्न
White Clothes	Naked
उत्तर भारत में ही रहे	जो द० भारत चले गए
Only In North India	Went To south India

- **जैन संघ Jain Sangha:** में 11 गणधर थे।

  There were 11 Ganadhars.

  - महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष – इन्द्रभूति
    Chairman at the time of death of Mahavir Swami - Indrabhuti
  - अगले अध्यक्ष : "सुधर्मन" **Next President: "Sudharman"**
  - जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : "चंदना"